Publication	Dainik Bhaskar
Date	22 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

भास्कर समाचार सेवा

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को 'मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति' पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है।

Publication	Pioneer
Date	20 November
Link	https://pioneerhindi.com/news/state/uttar-pradesh/sharatha-hasapatal-ma-natara-vajaniana-vabhaga-thavara-saemaii-karayakarama-aayajana-kaya-gaya

पायनियर

WE'VE ALWAYS BEEN LOCAL
NOW WE ARE MOBILE

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

17 घंटे पहले

ग्रेटर नोएडा: स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को 'मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति' पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया। इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

Publication	Watan Kesari
Date	21 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को "मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति" पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया। इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के पास इन चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम ज्ञान और उपकरण हों, जिससे इस बीमारी का जल्द और बेहतर इलाज हो सकें। और इसी उद्देश्य से हमने इस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेह रोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदि रोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने में अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए।

Publication	Aaj Samaj
Date	22 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को "मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति" पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए

इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा ह्लपिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है। और इसी उद्देश्य से हमने इस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेह रोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदि रोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने में अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए।

सीएमई कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में डायबिटिक रेटिनोपैथी, डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा कार्यक्रम आयोजित किये गाएं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में रीसेंट एडवांसेज इन द मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी विषय पर पैनल डिस्कशन किया गया, जिनमें गेस्ट फैकल्टी डॉ. अमित खोसला, डॉ. सरिता बेरी, डिपार्टमेंट हेड डॉ. जे.एल गोयल, प्रोफेसर डॉ. आभा गहलोत, एवं विजिटिंग सर्जन डॉ. चारू मलिक ने प्रभावी और सूचनात्मक चर्चा की।

Publication	Action India
Date	21 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया। इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के पास इन चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम ज्ञान और उपकरण हों, जिससे इस बीमारी का जल्द और बेहतर इलाज हो सकें। और इसी उद्देश्य से हमने इस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेह रोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदि रोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने में अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। वर्तमान में भारत में 101 मिलियन से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अन्य 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं। और मधुमेह मरीजों की इसी बढ़ती संख्या ने आज दुनिया में भारत मधुमेह राजधानी के रूप में उभरा है। मधुमेह हमारी आंखों सहित शरीर के कई हिस्सों को प्रभावित कर सकता है और यहां तक कि स्थायी अंधापन भी हो सकता है। सीएमई कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में डायबिटिक रेटिनोपैथी, डायबिटिक मैक्यूलर एडिमा और अन्य संबंधित जटिलताओं से संबंधित विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किये गाएं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में रीसेंट एडवांसेज इन द मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी विषय पर पैनल डिस्कशन किया गया, जिनमें गेस्ट फैकल्टी डॉ. अमित खोसला, डॉ. सरिता बेरी, डिपार्टमेंट हेड डॉ. जे.एल गोयल, प्रोफेसर डॉ. आभा गहलोत, एवं विजिटिंग सर्जन डॉ. चारू मलिक ने प्रभावी और सूचनात्मक चर्चा की। मधुमेह नेत्र रोग एक गंभीर समस्या है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती है और यह एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन गई है। इस सीएमई कार्यक्रम का लक्ष्य इन बीमारियों के निदान और उपचार में नवीनतम ज्ञान के साथ इस पहल का प्रसार और इसके प्रति लोगों को जागरूक करना था।

Publication	Samachar Nirdesh
Date	21 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

ग्रेटर नोएडा। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को "मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति" पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया। इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट,

डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के पास इन चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम ज्ञान और उपकरण हों, जिससे इस बीमारी का जल्द और बेहतर इलाज हो सकें। और इसी उद्देश्य से हमने इस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है।

इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेह रोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदि रोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने में अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए।

वर्तमान में भारत में 101 मिलियन से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अन्य 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं।

Publication	Hadoti Adhikar
Date	21 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग द्वारा सीएमई कार्यक्रम आयोजन किया गया

हाड़ौती अधिकार

ग्रेटर नोएडा, 21 नवम्बर। स्कूल ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने 8 नवंबर 2023, को मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति पर एक सतत चिकित्सा शिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया।

इस कार्यक्रम को शारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायक चिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसर एवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्र स्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने के उद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चा करने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्य चिकित्सकों जैसे प्रमुख

विशेषज्ञों ने भाग लिया।

कार्यक्रम सफल आयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड, नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधी नेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के पास इन चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम ज्ञान और उपकरण हों, जिससे इस बीमारी का जल्द और बेहतर इलाज हो सकें। और इसी उद्देश्य से हमने इस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेह रोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदि रोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने में अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए। वर्तमान में भारत में 101 मिलियन से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अन्य 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं। और मधुमेह मरीजों की इसी बढ़ती संख्या ने आज दुनिया में भारत मधुमेह राजधानी के रूप में उभरा है। मधुमेह हमारी आंखों सहित शरीर के कई हिस्सों को प्रभावित कर सकता है और यहां तक कि स्थायी अंधापन भी हो सकता है।

Publication	Satyajai Times
Date	21 November
Edition	Noida

शारदा हॉस्पिटल में नेत्र विज्ञान विभाग ने सीएमई कार्यक्रम का किया आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 21 नवंबर सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। स्कूलऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एसएमएसएंडआर) के नेत्र विज्ञान विभाग ने गत दिवस मधुमेह नेत्र रोगों के प्रबंधन में हालिया प्रगति पर एक सतत चिकित्साशिक्षा (सी.एम.ई) कार्यक्रम का सफलतापूर्ण आयोजन किया।

इस कार्यक्रम कोशारदा यूनिवर्सिटी के मेडिकल कॉलेज, स्कूल ऑफ मेडिकल एंड रिसर्च के समुदायकचिकित्सा विभाग के डीन डॉ. निरुपमा गुप्ता और नेत्र विज्ञान विभाग के प्रोफेसरएवं हेड डॉ. जे.एल. गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। मधुमेह और नेत्रस्वास्थ्य के बीच संबंध के बारे में स्वास्थ्य पेशेवरों को शिक्षित करने केउद्देश्य से हुए इस कार्यक्रम में मधुमेह नेत्र रोग प्रबंधन में नवीनतम प्रगति पर चर्चाकरने के लिए नेत्र रोग विशेषज्ञ, ऑप्टोमेट्रिस्ट, डायटीशियन और सामान्यचिकित्सकों जैसे प्रमुख विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम सफलआयोजन होने पर अपने भाव व्यक्त करते हुए डॉ. जे.एल. गोयल, प्रोफेसर एवं हेड,नेत्र विज्ञान विभाग, (एसएमएसएंडआर) ने कहा पिछले कुछ वर्षों में, मधुमेह संबंधीनेत्र रोगों में बड़ी वृद्धि हुई है, जो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए एक बड़ीसमस्या है।

हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि हमारे स्वास्थ्य देखभालपेशेवरों के पास इन चुनौतियों से निपटने के लिए नवीनतम ज्ञान और उपकरणहों, जिससे इस बीमारी का जल्द और बेहतर इलाज हो सकें। और इसी उद्देश्य से हमनेइस सी.ए.मई कार्यक्रम के माध्यम से यह पहल की है। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक मधुमेहरोगी को हर छह महीने या सालाना अपनी आंखों की जांच करानी चाहिए, और यदिरोगी को पहले से ही मधुमेह संबंधी रेटिनोपैथी है, तो उन्हें हर तीन महीने मेंअपनी आंखों की जांच करानी चाहिए।

वर्तमान मेंभारत में 101 मिलियन से अधिक लोग मधुमेह से पीड़ित हैं और अन्य 136 मिलियन लोगप्री-डायबिटीज से पीड़ित हैं। और मधुमेह मरीजों की इसी बढ़ती संख्या ने आज दुनिया में भारत मधुमेह राजधानी के रूप में उभरा है।

मधुमेह हमारी आंखों सहित शरीर के कई हिस्सों को प्रभावित करसकता है और यहां तक कि स्थायी अंधापन भी हो सकता है।सीएमईकार्यक्रम में विभिन्न सत्रों में डायबिटिक रेटिनोपैथी, डायबिटिक मैक्यूलरएडिमा और अन्य संबंधित जटिलताओं से संबंधित विषयों पर कार्यक्रम आयोजित कियेगाएं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में रीसेंट एडवांसेज इन द मैनेजमेंट ऑफ डायबिटिक रेटिनोपैथी विषय पर पैनलडिस्कशन किया गया, जिनमें गेस्ट फैकल्टी डॉ. अमित खोसला, डॉ. सरिता बेरी,डिपार्टमेंट हेड डॉ. जे.एल गोयल, प्रोफेसर डॉ. आभा गहलोत, एवं विजिटिंग सर्जनडॉ. चारू मलिक ने प्रभावी और सूचनात्मक चर्चा की। मधुमेह नेत्ररोग एक गंभीर समस्या है जो दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रभावित करती हैऔर यह एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चिंता बन गई है। इस सीएमई कार्यक्रम का लक्ष्यइन बीमारियों के निदान और उपचार में नवीनतम ज्ञान के साथ इस पहल का प्रसारऔर इसके प्रति लोगों को जागरूक करना था।